

Item Code:

641

Participant Code:

306

अगर कोई तुमसे कहेता कि यहु करो | लेकिन तुम इससे
सहमत नही तो क्या करोगे तुम? उन्हें सुनोगे या अपने
सपनो को चुनोगे? यहु कविता वह सभी कलिर हैं जो
लडते हैं अपने सपनो कलिर अकेले |

जया कल : सच्ये सपनो कलिर अकेले लडने पर

① एक दिन एक मंडक था,
जो देखता पेड चढने का सपना।
सब उसका मजा उडाते,
लेकिन नही मानता वह कभी डार।

② उसने चढा, गिर पढा
फिर चढा और गिरा।
चढचढकर, गिरगिरकर
उसने किया अपने ख्याब को पूरा।

③ एक जया सुबह आई,
सारे लोगे के आखां में चाया था अंधेर।

Item Code: 641

Participant Code: 306

मेंढक ने उसे डूबाया,
लाया उसने उस दुनियाँ में रेशमी।

④ असंभव को भी बना दिया संभव,
मेंढक बना सबका नेता।
उसने बनाई एक नयी दुनियाँ,
बना वे एक अच्छा प्रेरणा।

⑤ अपने जिंदगी की रास्ते में,
लड़ों अपने सपनों के लिए।
यहाँ अपने जीवन की,
मुश्किल पहाड़ियों को अकेला।

⑥ देगा तुम्हारा साथ कोई नही,
इसमें सब तुम्हारे सोचों पर।
फिर भी ना मानो डर,
यात्रा करो अपने जीवन के संजित तक।



Item Code:

641

Participant Code:

306

7

अगर तुम डिम्मत ना डरो तो,
हाजिल होगा तुम्हारा ख्याल।
इस जग में बनेगा एक नयी रास्ता,
जो बनी है तुम्हारे पैरों के नीचे के सिट्ठी से।

8

ज़िंदगी की नकशा में तुमने जोड़ा,
एक नयी दिशा और एक नई राह।
तुम्हारे पीछे आनेवालों के लिए
तुमने लिखा एक नया इतिहास।

9

इस दुनियाँ में हैं बहुत से व्यक्तियाँ,
जो लड़ें हैं अकेले इंसाफ के लिए।
सारे मानव करते थे नज़रत उनसे,
लेकिन वे लड़ें अपने आप।

10

उनके कामों ने लाया,
बहुत सी बदलाव इस दुनियाँ में।
जो उनसे नज़रत करते थे,

Item Code:

641

Participant Code:

306

വളരെ സാധനങ്ങൾ എടുത്ത് വെച്ചു.

11

ഇങ്ങനെ എടുത്ത് വെച്ചു കെട്ടി,
എടുത്ത് വെച്ചു കെട്ടി കെട്ടി,
ഇങ്ങനെ, അങ്ങനെ എടുത്ത് വെച്ചു,
എടുത്ത് വെച്ചു കെട്ടി കെട്ടി കെട്ടി.

12

എന്നു കെട്ടി എടുത്ത് വെച്ചു,
എടുത്ത് വെച്ചു കെട്ടി കെട്ടി,
എന്നു കെട്ടി കെട്ടി കെട്ടി കെട്ടി,
എടുത്ത് വെച്ചു കെട്ടി കെട്ടി.

13

എന്നു കെട്ടി കെട്ടി കെട്ടി,
എടുത്ത് വെച്ചു കെട്ടി കെട്ടി,
എന്നു കെട്ടി കെട്ടി കെട്ടി,
എടുത്ത് വെച്ചു കെട്ടി കെട്ടി.

14

എന്നു കെട്ടി കെട്ടി കെട്ടി,
എടുത്ത് വെച്ചു കെട്ടി കെട്ടി.



Item Code:

641

Participant Code:

306

कुम्हारें पास कोई नडी,
नडी कर मानना कोई कुम्हारी बात,
तो जानो कि कुम्हारें लिए एक नयी कल है।

(15) सब करते समान काम,
सब इरते नया करने में,
और सोचते कि लोग क्या बोलेंगे,
लेकिन हमें बनना है हिम्मतवाले।

(16) बार-बार कोशिश करते रहो,
बनेंगे सारे सपने सच्य,
जकर आरम्भा एक नया दिन,
जहाँ कुम्हने अकेले लाया एक नयी उषा।